2021

HINDI — HONOURS

Paper : CC-6

(Bharatiya Kavya Shastra)

Full Marks : 65

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) भरतमुनि ने रसों की संख्या कितनी मानी है? इनके ग्रंथ का नाम लिखिए।

(ख) 'काव्यादर्श' और 'काव्यालंकार' के रचनाकारों के नाम बताइए।

(ग) राजशेखर द्वारा बताए गए प्रतिभा के दो भेदों के नाम बताइए।

(घ) 'उत्पत्तिवाद' और 'अनुमितिवाद' के उद्भावक आचार्यों के नाम बताइए।

(ङ) आनंदवर्द्धन और आचार्य भामह द्वारा रचित ग्रन्थों के नाम बताइए।

(च) किन्हीं दो शब्दालंकारों के नाम बताइए।

(छ) रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं और उनके ग्रंथ का नाम क्या है?

(ज) किन्हीं दो अलंकारवादी आचार्यों के नाम बताइए।

(झ) रीति सिद्धांत के प्रवर्तक कौन थे? उनके ग्रंथ का नाम बताइए।

(ञ) औचित्य सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य कौन थे? उनके ग्रन्थ का नाम बताइए।

2. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 5×3

(क) काव्य लक्षणों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

(ख) साधारणीकरण

(ग) संदेह और भ्रांतिमान अलंकार में अंतर

(घ) कुंतक का वक्रोक्ति सिद्धान्त

(ङ) औचित्य सिद्धान्त की अवधारणा

3. किन्हीं **तीन** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3

(क) काव्य प्रयोजन से क्या तात्पर्य है? काव्य प्रयोजन से संबंधित भारतीय आचार्यों के विविध मतों की आलोचना कीजिए।

(ख) "वास्तव में अलंकार अलंकार्य का अभ्यन्तर तत्त्व ही है"– इस कथन के औचित्य पर अपना मत प्रकट कीजिए।

(ग) रीति की व्याख्या करते हुए उसके भेदों की सोदाहरण चर्चा कीजिए।

(घ) रस निष्पत्ति से संबंधित भरतमुनि के रस-सूत्र की विवेचना भारतीय आचार्यों ने किस तरह की है?

(ङ) ध्वनि सिंद्धात की प्रमुख स्थापनाओं पर विचार कीजिए।